हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

9 निपुण हरियाणा मिशनः एंडलाइन सर्वेक्षण के...

10 प्राथमिक पाठशाला ग्राउंड में कांग्रेस घास से एलर्जी रोग...

महिलाओं की पतियों की लंबी उम्र की कामना, चांद देख खोला व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

करवा चौथ पर्व शुक्रवार को महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी महिलाओं ने उपवास रखा। वहीं चीनी के करवों व प्रजापतों की ओर से बनाए गए मिट्टी के करवों को रखकर महिलाओं ने एक समूह में सुबह से दोपहर तक कहानियां सुनी व एक दूसरे को व्रत की बधाई दी। महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुई उपवास रखा। महिलाओं ने अनेक प्रकार के वस्त्र पहनकर अपने पतियों का स्वागत किया। करवा चौथ का व्रत होने के कारण चीनी से बने करवों की जमकर बिक्री हुई। एकल परिवार की महिलाओं ने घरों में कहानियां सुनीं। महिलाओं ने अपने सुहाग की रक्षा के लिए भगवान गणेश की पूजा की, साथ ही व्रत की कथा सुनकर अपने पति की लंबी आयु की कामना की। महिलाएं श्रृंगार कर नये परिधानों में नजर आई। महिलाओं ने घर में बैठकर करवा चौथ व्रत की कथा कहानी सुनी। रात्रि के समय छलनी से चांद के दर्शन किए और पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए व्रत खोला। इसके साथ ही अनेक पतियों ने भी पत्नी की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। करवा चौथ का व्रत के चलते दिनभर बाजार में महिलाएं व पुरुष करवा खरीदते दिखाई दिए।

एकल परिवार की महिलाओं ने घरों में कहानियां सुनीं

छलनी से किया चांद का दीदार

पति पत्नी के प्रेम का प्रतीक करवा चौथ का पर्व धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने शुभ संयोग में पति की दीर्घायु की कामना की। पति की लंबी उम्र की कामना के साथ महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखा व शाम को चांद निकलने पर पूजा करने के बाद अन्न जल ग्रहण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने छलनी से चांद का दीदार किया।

बाजारों में जमकर हुई बिक्री

करवा चौथ के व्रत के चलते बाजारों में गिफ्ट, आभूषण व साड़ियों की जमकर बिक्री हुई। धार्मिक मान्यता के अनुसार सुहागिन महिलाओं ने व्रत की दो रोज पहले से ही तैयारियां आरंभ कर दी थी। मेहंदी लगवाने व ब्यूटी पार्लर जाकर सजने संवरने की तैयारियां हो गई थी। व्रत के चलते महिलाओं ने दिनभर निराहार रहकर रात को चांद के दर्शन कर अर्घ देने के बाद भोजन किया।

त्योहारी सीजन के चलते सुरक्षा चाक-चौबंद

एसपी के निर्देश पर राइडर व कमांडो तैनात

- पुलिस ने शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने के इरादे से एकत्रित हुए आपराधिक प्रवृत्ति के 17 लोगों के खिलाफ की निवारक कार्रवाई

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले में त्योहारी सीजन के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के सख्त निर्देशों पर जिले के मुख्य बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से कड़ा कर दिया गया है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए विशेष राइडर टीमें लगातार गश्त कर रही हैं, जबकि कमांडो की टीमें भी बाजार क्षेत्रों में पैदल गश्त कर रही हैं। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि एसपी वशिष्ठ ने सभी पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेने के लिए नियमित गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले भर में नाकाबंदी कर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की जा रही है। सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशील स्थानों की पहचान कर, वहां विशेष निगरानी रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

नारनौल। बाजार में तैनात किए गए कमांडो। फोटो : हरिभूमि

शांति भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई

एसपी वशिष्ठ की ओर से दिए गए निर्देशों के तहत थाना अटेली की पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने के इरादे से गैर कानूनी ढंग से एकत्रित हुए आपराधिक प्रवृत्ति के 17 लोगों के खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई है। इन लोगों में से काफी के खिलाफ पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नागरिक करें पुलिस का सहयोगः एसपी

एसपी पूजा वशिष्ठ ने कहा कि पुलिस असामाजिक तत्वों, मनचलों और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर कड़ी नजर रख रही है। उन्होंने नागरिकों से पुलिस का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है, ताकि त्योहारों का यह मौसम सभी के लिए सुरक्षित और खुशनुमा बना रहे।

खबर संक्षेप

बस में सवार महिला के 5 हजार रुपये निकाले

कनीना। बस में सवार महिला यात्री से एक अन्य महिला ने पांच हजार रुपये की चपत लगा दी। इस बारे में पीड़ित महिला रेखा ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि ककराला गांव की रहने वाली है। वह नारनौल से कनीना जाने वाली बस में सवार हुई थी। जहां उनके पास एक अन्य महिला भी बैठी थी। जिसने उसके पांच हजार रुपये निकाल लिए और कनीना की पुरानी आनाज मंडी के गेट के समीप उतर गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महिला के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

दौंगड़ा अहीर में मकान का ताला तोड़कर चोरी

कनीना। गांव दौंगड़ा अहीर में अज्ञात चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर हजारों रुपये की नकदी सहित आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। इस बारे में नवीन शर्मा ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उसके माता पिता अहमदाबाद गुजरात में रहते हैं तथा वह जयपुर पीजी में रहकर पढ़ाई करता है। बीते चार अक्टूबर को वह अपने घर दौंगड़ा से जयपुर गया था। उन्होंने आकर देखा तो घर के ताले टूटे पड़े थे। वहीं सामान ईधर उधर बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पाया कि 10 हजार रुपये की नकदी व आभूषण गायब हैं। अज्ञात चोर नकदी सहित आभूषण चोरी कर ले गए।

नम्बरदारों ने की मानदेय जारी करने की मांग

कनीना। नम्बरदार एसोसिएशन की ओर से उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर उन नंबरदारों का मानदेय जारी करने की मांग की है। जिनके नाम या जन्म तिथि आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भिन्न थी। सेहलंग वासी नम्बरदार जगदेव सिंह, अमरचंद, नत्थूराम, रिषीराज ने ज्ञापन में बताया कि जिले में ऐसे करीब 50 नम्बरदार हैं, जिनके नाम व जन्म तिथि में त्रुटि थी। जिन्होंने उस त्रुटि को दुरूस्त भी करवा लिया है। ऐसे नंबरदारों का मानदेय रोक लिया गया था। एसोसिएशन ने उनका मानदेय जारी करने की मांग की है।

बुलेरो की टक्कर से ट्रैक्टर पलटा

नांगल चौधरी। नांगल दुर्ग में स्थित हनुमान मंदिर के नजदीक एक अनियंत्रित बुलेरो ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की ट्रैक्टर सड़क के बीचोंबीच पलट गया, गनीमत रही की चालक उछलकर दूर गिर गया अन्यथा जानलेवा हादसा संभव था। ग्रामीणों ने बताया कि नांगल दुर्गू निवासी युवक बंटी कुमार जमीन की जुताई करने के लिए खेतों की तरफ रवाना हुआ था। इसी दौरान गोलवा सड़क के टी प्वाइंट पर बुलेरो ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर पर बैठे चालक समेत एक अन्य किसान उछलकर दूर गिर गया तथा ट्रैक्टर सड़क पर पलट गया।

गत दिनों हुई अच्छी बरसात से जमीन में बनी नमी

रबी फसल का बिजाई सीजन शुरू, सरसों के लिए यही सबसे उपयुक्त समय

जिला महेंद्रगढ़ में रबी सीजन के तहत 10 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच का है रबी बिजाई का सर्वोत्तम समय

अधिकांश किसान सरसों बिजाई के लिए न केवल खेतों की जुताई में जुट जाएंगे, बल्कि उसमें डीएपी खाद डालकर अब सरसों की बिजाई शुरू कर देंगे। इस बरसात का ही परिणाम है कि अबकी बार सरसों का बिजाई रकबा लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गत दिनों हुई झमाझम बारिश ने किसान खिले–खिले से नजर आते हैं। इस बारिश के कारण खेतों में बिना पलाव किए ही जोरदार सिंचाई हो गई। अन्यथा किसानों को सिंचाई करने उपरांत ही रबी फसल की बिजाई करनी पड़ती, लेकिन अब सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसी कारण उनमें खुशी की लहर बनी हुई है। किसान वर्तमान में बारिश से खेतों में बनी जबरदस्त नमी का भरपूर लाभ लेना चाहते हैं। यही वजह है कि आज 10 अक्टूबर से सरसों बिजाई का सीजन प्रारंभ होने से किसानों में सरसों बिजाई को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। अधिकांश किसान सरसों बिजाई के लिए न केवल खेतों की जुताई में जुट जाएंगे, बल्कि उसमें डीएपी खाद डालकर अब सरसों की बिजाई शुरू कर देंगे। इस बरसात का ही परिणाम है कि अबकी बार सरसों का बिजाई रकबा लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

अबकी बार समूचे इलाके में न केवल मानसून सीजन के दौरान बार-बार जोरदार बारिश होती रही। यह बार-बार होती रही बारिश का ही कमाल था कि अबकी बार पिछले सालों के रिकार्ड टूट गए और बरसात को पिछले सालों की तुलना में दोगुना से भी रिकार्ड दर्ज किया गया। जैसे ही बरसात रूकी, किसानों ने खरीफ की बाजरे की जमकर लावणी की और एक-डेढ़ महीना खेत खाली रहने के बाद जब रबी बिजाई का सीजन आया, तब पुनः एक और अच्छी बरसात हो गई। इस बरसात से किसानों की बांछें खिल गई, क्योंकि किसान रबी यानि सरसों की बिजाई से पहले खेतों में नमी चाहते थे, वह अधिकाधिक नमी इस बरसात ने पैदा कर दी। यही वजह है कि अब 10 अक्टूबर से रबी सीजन के तहत सरसों की बिजाई का पीरियड शुरू होने पर किसानों ने खेतों की जुताई शुरू कर दी है। खेतों की जुताई के साथ ही किसान अधिक पैदावार लेने के लिए खेतों में डीएपी खाद का इस्तेमाल भी करने लगे हैं।

महेंद्रगढ़। सरसों के लिए तैयार किया गया खेत। फोटो : हरिभूमि

बिजाई के लिए यह है उपयुक्त समय

जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा प्रदेश के अंतिम छोर पर बसा है और यहां की भौगोलिक परिस्थिति काफी हद तक मरूभूमि यानि राजस्थान से मिलती-जुलती है। वर्तमान में इस क्षेत्र में रबी फसल की बिजाई का सीजन आज 10 अक्टूबर से शुरू हो गया है। अब किसान सरसों की बिजाई 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर के मध्य कर सकते हैं। इसी प्रकार गेहूं की बिजाई के लिए 25 अक्टूबर के बाद का समय उचित माना जा रहा है। चौ एवं चना की फसलें 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच बोई जा सकती हैं।

सरकार ने बढ़ाया समर्थन मूल्य

फसलों का सरकारी समर्थन मूल्य अबकी बार केंद्र सरकार ने पुनः बढ़ा दिया है। अबकी बार जो नई सरसों आएगी, उसका सरकारी समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल रहेगा। पिछली बार यह दाम 5950 रुपये प्रति क्विंटल था, जिसमें 250 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी प्रकार गेहूं का दाम 2585 रुपये प्रति क्विंटल रहेगा। इसमें 160 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। पिछली साल यह रेट 2425 रुपये प्रति क्विंटल था। इसी प्रकार जौ 170 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1980 रुपये से बढ़ाकर 2150 रुपये कर दिया गया है। चना 225 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5650 रुपये से बढ़ाकर 5875 रुपये कर दिया गया है। किसानों को बेहतर दाम सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने विपणन सीजन 2026-27 में रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है, ताकि उन्हें अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

क्षेत्रफल की स्थिति

जिला महेंद्रगढ़ कृषि प्रधान जिला है तथा इसमें लगभग 3.55 लाख एकड़ में रबी फसल की बिजाई की जाती रही है, लेकिन अबकी बार बिजाई से पहले अच्छी बरसात होने के चलते बिजाई का रकबा 20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, क्योंकि पहले जहां अनेक किसान सिंचाई नहीं होने से समय पर सरसों की बिजाई करने से वंचित रह जाते थे, वहीं अबकी बार उन्हें नमी का भरपूर फायदा मिलता दिखाई दे रहा है। जिले के किसान पिछले सालों में लगभग 2.70 लाख एकड़ में अकेले सरसों की बिजाई करते रहे हैं। इसी प्रकार 55–60 हजार एकड़ में गेहूं तथा शेष में अन्य फसलें लेते रहे हैं।

यह बोले कृषि उप निदेशक

अबकी बार बारिश होने से खेतों में नमी का स्तर बढ़ा है, जिससे उत्पादन में 15-20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की उम्मीद है। रबी फसलों की बुवाई का सबसे उचित समय 10 अक्टूबर का पहले सप्ताह से मध्य नवंबर तक माना जाता है। सरसों की बुवाई 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक करना बेहतर रहेगा। 25 अक्टूबर के बाद गेहूं एवं अन्य फसलों की बिजाई की जा सकती है।
-देवेंद्र सिंह, उप निदेशक, कृषि विभाग

महेंद्रगढ़। साइट पर डाली गई पाइप लाइन। फोटो : हरिभूमि

योजना पर प्रशासन ने कार्य शुरू किया

डिगरोता गांव पहली बार नहरी नेटवर्क से जुड़ेगा

35 लाख की लागत से डिगरोता में जोड़े जा रहे दो जोहड़, भूजल रीचार्ज में मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव डिगरोता में दो जोहड़ नहरी नेटवर्क से जोड़े जाने की योजना पर प्रशासन ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। जोहड़ नहरों से जुड़ने के बाद ग्रामीणों को इनका भरपूर लाभ मिल सकेगा। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव डिगरोता में दो जोहड़ों को नहरी नेटवर्क से जोड़े जाने का कार्य तेजी से चल रहा है। गांव के खंदड़ा जोहड़ को माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी से 1310 मीटर लम्बी पाइपलाइन के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार रावला जोहड़ को सुरेहती माइनर से 900 मीटर लम्बी पाइपलाइन के माध्यम से जोड़ा जा रहा है।

संदीप मालड़ा ने बताया कि इन दोनों जोहड़ों को नहरी नेटवर्क से जोड़ने की मंजूरी लोकसभा चुनाव से पहले ही आ गई थी, परंतु जिस ठेकेदार को ये कार्य दिया गया था, उसने लम्बे समय तक इसको लटका दिया। बाद में छोड़कर चला गया। इस पर लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह के दखल से मामला फिर से सिरे चढ़ाया गया तथा अब फसल कटते ही ठेकेदार ने तेज गति से कार्य चालू कर रखा है। नहरी नेटवर्क बनने के बाद से डिगरोता पहली बार नहरी नेटवर्क से जुड़ेगा। केन्द्र एवं राज्य सरकार की नीति है कि गिरते भूजल स्तर को रोकने के लिए इस प्रकार के रीचार्ज प्रोजेक्ट ज्यादा से ज्यादा किए जाएं, जिससे किसान के साथ-साथ आमजन को भी लाभ हो सके। संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव की सरपंच पूनम शर्मा पढ़ी लिखी है तथा इसका पूरे गांव को मिल रहा है। इस कार्य को सिरे चढ़ाने के लिए वे गांव की पंचायत के साथ-साथ सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक कंवर सिंह एवं हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हैं।

योजना में ये कार्य शामिल

- 20 लाख की लागत से माधोगढ़ नहर से जोड़ा जा रहा खंदडा जोहड़, 1310 मीटर बिछाई जा रही पाइप लाइन।
- 15 .23 लाख की लागत से सुरेहती माइनर से जोड़ा जा रहा रावला जोहड़, 910 मीटर बिछाई जा रही पाइप लाइन।

आईटीआई में दाखिलों की तिथि फिर बढ़ी

नए एवं पुराने आवेदनों की संयुक्त मेरिट के आधार पर होगे दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

आईटीआई दाखिले लेने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। एमडीएस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जाटवास के निदेशक गोपाल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि हरियाणा राज्य में स्थित सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में रिक्त सीटों के प्रति 'ऑन द स्पॉट एडमिशन' 17 अक्टूबर तक प्रतिदिन संस्थान स्तर पर किया जाएगा। साथ ही नए आवेदन भी दाखिला पोर्टल पर नए आवेदन 17 अक्टूबर दोपहर 12 बजे तक ही भरे जा सकते हैं। दाखिला नए एवं पुराने आवेदनों की संयुक्त मेरिट के आधार पर किया जाएगा तथा इसमें कोई आरक्षण लागू नहीं होगा। प्रार्थी जिस संस्थान में दाखिले के इच्छुक हैं, वह उस संस्थान में दोपहर 12:30 बजे तक अपना मैरिट कार्ड जमा करवाएंगे तथा अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ व मौके पर दाखिला फीस ऑनलाईन जमा करवाने हेतु संस्थान में स्वयं उपस्थित होंगे।

लंबी दूरी से बिजली सप्लाई होने के कारण आते थे फॉल्ट, ग्रामीण को उठानी पड़ रही थी परेशानी

वर्ष 2022 में निर्माण कार्य हुआ था शुरू, करीब 20 वर्ष से ग्रामीण कर रहे थे सब स्टेशन की मांग

दो एकड़ में बनकर तैयार हुआ देवास का 32 केवी का सब स्टेशन, जल्द शुरू होगी बिजली सप्लाई

- देवास सब स्टेशन से चितलांग एपी, सुरजनवास एपी, देवास में बने जनस्वास्थ्य विभाग के वाटर टैंक व पांच अन्य गांवों को जुड़ेंगे
- 132 केवी मोहनपुर से करीब 13 .5 किलोमीटर बिजली लाइन बिछाकर देवास सब स्टेशन में पहुंचाई है बिजली
- सब स्टेशन में सीनियर शिफ्ट अटेंडेंट के अलावा चार कर्मचारियों की हुई नियुक्ति

महेश कुमार ⏭ महेंद्रगढ़

गांव देवास में बना 32 केवी के सब स्टेशन बनकर तैयार हो गया है। अधिकारियों की माने तो टेस्टिंग का कार्य पूरा चुका है। दीपावली से पहले सभी फीडर शुरू करके बिजली सप्लाई कर दी जाएंगी। बता दें कि करीब 20 वर्ष से विभिन्न गांवों के ग्रामीण गांव देवास में बिजली का सब स्टेशन खोलने की मांग कर रहे थे।

नारनौल। सब स्टेशन के अंदर का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

ग्राम पंचायत की ओर से कई बार प्रस्ताव भी बनाकर भेजे गए थे, लेकिन विभाग की ओर से मंजूरी नहीं मिल रही थी।

सब स्टेशन की मांग को लेकर कई बार महापंचायत तथा धरना प्रदर्शन भी किए गए थे। करीब सात पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सब स्टेशन को मंजूरी दी थी। इसके बाद ग्राम पंचायत की ओर से प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। वर्ष 2022 में सब स्टेशन का निर्माण कार्य हुआ था। अब सब स्टेशन बनकर पूरी तरह से तैयार हो गया है। गत सप्ताह सब स्टेशन में टेस्टिंग का कार्य किया गया था। इस दौरान कुछ तकनीकी समस्याएं पाई गई थी। अब उन्हें पूरा किया जा रहा है। उम्मीद लगाई जा रही है कि दीपावली से पहले सभी कमियों को दूर करके सब स्टेशन से सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाएगा। सब स्टेशन शुरू होने के बाद ग्रामीणो को आए दिन बिजली फाल्ट से हो रही परेशानियों से निजात मिलेगी।

132 केवी सब स्टेशन से जोड़ा गया है सब स्टेशन

गांव देवास में बने से स्टेशन से गांव चितलांग एपी, सुरजनवास एपी, देवास, मेघनवास, बुचौली, डुलाना व देवास में बने जलघर की सप्लाई को जोड़ा जाएगा। पहले यह गांव महेंद्रगढ़ व बवानियां जुड़े हुए थे, लेकिन लंबी व पुरानी बिजली लाइन होने के कारण कम वोल्टेज व बिजली फाल्ट की समस्या बनी रहती थी। जिस कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। देवास सब स्टेशन को 132 केवी मोहनपुर से जोड़ा गया है। मोहनपुर सब 132 केवी से देवास में बिजली सप्लाई पहुंचाई जाएंगी। सब स्टेशन के फीडर सहित अन्य सभी कार्य पूरे हो चुके है। जल्द हो सभी फीडरों को चालू करके गांवों में बिजली सप्लाई शुरू की जाएंगी।

कर्मचारी किए जा चुके है नियुक्त

32 केवी देवास सब स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सब स्टेशन के फीडर सहित अन्य कार्य पूरे किए जा चुके है। करीब एक सप्ताह पूर्व टेस्टिंग के दौरान कुछ कमियां सामने आई थी। अब उन्हें दूर किया जा रहा है। सब स्टेशन में सीनियर शिफ्ट अटेंडेंट के अलावा चार कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जा चुकी है। हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द सभी फीडर चालू करके बिजली सप्लाई शुरू की जाए।
-अरूण कुमार, एसडीओ, बिजली निगम

पिस्सू अपने शरीर की लंबाई से 350 गुना तक छलांग लगा सकते हैं।

यंगभूमि

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

पोस्ट अधिकारी बनकर भी चमका सकते हैं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

ये चाहिए जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जॉब के लिए योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

ये प्रोसेस अपनाएं

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता

बीबीए के बाद करियर विकल्प : कॉर्पोरेट और सरकारी जगत में सुनहरे अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को प्रबंधन विज्ञान, व्यवसाय रणनीति और नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः मार्केटिंग, फाइनेंस, अकाउंटिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन, आंत्रप्रेन्योरशिप और बिजनेस लॉ जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन में अत्यधिक महत्व है,मार्केटिंग किसी भी कंपनी की ब्रांड छवि और बिक्री बढ़ाने का प्रमुख स्तंभ है, फाइनेंस और अकाउंटिंग संस्थान की आर्थिक रीढ़ हैं, एचआर प्रबंधन संगठन की कार्यकुशलता और टीम भावना को मजबूत करता है, जबकि बिजनेस लॉ और स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट संस्थान को कानूनी, नैतिक और प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टि से सक्षम बनाते हैं। इस प्रकार बीबीए न केवल छात्रों को कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है, बल्कि उन्हें समस्या समाधान, निर्णय क्षमता, नेतृत्व और टीमवर्क जैसी प्रायोगिक कौशलों से भी सुसज्जित करता है। नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी. 2020) के अनुसार अब विद्यार्थी बीबीए को तीन वर्षों में सामान्य स्नातक डिग्री के रूप में या चार वर्षों में बीबीए ऑनर्स के रूप में भी पूरा कर सकते हैं।

तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम

विशेषज्ञता चुनी जा सकती

बीबीए/ऑनर्स में विषय-गहनता के साथ विशेषज्ञता चुनी जा सकती है। निम्नलिखित प्रमुख विशेषज्ञताएं इस प्रकार हैं।
विपणन (मार्केटिंग) वित्त लेखा
मानव संसाधन प्रबंधन । परिचालन/संचालन
व्यवसाय विश्लेषिकी (बिजनेस एनालिटिक्स)
अंतरराष्ट्रीय व्यापार, उद्यमिता, आपूर्ति श्रृंखला व लॉजिस्टिक्स, खुदरा प्रबंधन, बैंकिंग और बीमा
डिजिटल मार्केटिंग, पर्यटन व आतिथ्य प्रबंधन
इन विशेषज्ञताओं का प्रत्यक्ष उपयोग बिक्री-वृद्धि, लाभप्रदता, लागत-नियंत्रण, प्रतिभा-प्रबंधन, डेटा-व्याख्या, वैश्विक विस्तार और ग्राहक-अनुभव को बेहतर बनाने में होता है।

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका

सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि कार्यान्वयन-योग्य कौशल ही करियर को तीव्र गति देते हैं,यही आज के उद्योग मानक हैं। निम्नलिखित आवश्यक कौशल इस प्रकार हैं। प्रभावशाली लिखित/मौखिक संचार व प्रस्तुतीकरण, उन्नत स्प्रेडशीट/एमआईएस, मूल वित्तीय विश्लेषण, बजट/पूर्वानुमान, सीआरएम/ईआरपी जैसे व्यावसायिक उपकरणों की समझ, डेटा-आधारित सोच, व्यवसाय विश्लेषण की बुनियाद, बिक्री-वार्ता, ग्राहक-सम्बंध प्रबंधन, सेवा-उत्कृष्टता, परियोजना-प्रबंधन, समय-प्रबंधन, टीमवर्क व नेतृत्व, इंटर्नशिप/ लाइव-प्रोजेक्ट/ उद्योग-प्रमाणन, (गूगल/ मेटा/ टैली/ एक्सेल आदि)

उच्च अध्ययन के विकल्प

उच्च शिक्षा नेतृत्व-स्तरीय प्रगति, वैश्विक मानकों की विशेषज्ञता और करियर-गतिशीलता को गति देती है,बीबीए के बाद सही कार्यक्रम चुनना करियर-वृद्धि का गुणक सिद्ध होता है।

निम्नलिखित प्रमुख उच्च अध्ययन विकल्प इस प्रकार हैं। एम.बी.ए. (विपणन/वित्त/मानव, संसाधन/ संचालन/ व्यवसाय, विश्लेषिकी/ अंतरराष्ट्रीय व्यापार/उद्यमिता) पी.जी.डी.एम. (उद्योग-उन्मुख प्रबंधन), एम.कॉम. (लेखा/वित्त में गहनता), विधि स्नातक (एल.एल.बी.) – कॉर्पोरेट/ व्यापार कानून, व्यवसाय विश्लेषिकी/डेटा विज्ञान में पी.जी. कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रबंधन (एम.एच.आर.एम.), अंतरराष्ट्रीय व्यापार (एम.आई.बी.), हॉस्पिटैलिटी/ टूरिज़्म प्रबंधन सीए/ सीएस/ सीएमए जैसी व्यावसायिक योग्यताएं (पात्रता के अनुसार), लोक नीति/ विकास प्रबंधन/ सार्वजनिक प्रशासन में स्नातकोत्तर।

ले सकते हैं सलाह

- बीबीए कॉर्पोरेट नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और उद्यमशीलता की स्वर्ण-डोरी है,सही विशेषज्ञता, ठोस कौशल और अनुशासित निष्पादन के साथ आप उच्च-विकास निजी भूमिकाएँ, स्थिर एवं सम्मानजनक सरकारी सेवाएं और विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा,तीनों मार्गों पर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।
- **सुझाव:** किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.career-jaano.com**पर भी विजिट कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

कॉर्पोरेट जगत उच्च-प्रभाव, परिणाम-उन्मुख और ग्राहक-केंद्रित पेशेवरों की तलाश में है,बीबीए स्नातक ठीक इसी मांग को पूरा करते हैं। वे ब्रांड-वृद्धि, राजस्व-त्वरण, लागत-दक्षता और संचालन-उत्कृष्टता के माध्यम से संस्थान को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाते हैं।

निम्नलिखित "विशेषज्ञता-आधारित" भूमिकाएं इस प्रकार हैं।
1) विपणन/ डिजिटल/ खुदरा विपणन कार्यकारी, ब्रांड/ कैम्पेन सहायक, डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षु एसईओ/ सोशल मीडिया समन्वयक, सीआरएम कार्यकारी, माल-विक्रय योजनाकर्ता।
2) वित्त/ लेखा/ बैंकिंग-बीमा वित्तीय विश्लेषक प्रशिक्षु, लेखा सहायक, जीएसटी/कर सहायक ऋण-प्रसंस्करण/क्रेडिट समन्वयक, जोखिम-विश्लेषण सहायक, बीमा-अंडरराइटिंग सहायक
3) मानव संसाधन (एचआर) एचआर सहायक, भर्ती समन्वयक, पेरोल/कम्प्लायंस सपोर्ट प्रशिक्षण व विकास समन्वयक, कर्मचारी-संबंध कार्यकारी
4) संचालन/आपूर्ति श्रृंखला/ लॉजिस्टिक्स संचालन सहायक, गुणवत्ता आश्वासन सहायक, क्रय/ प्रोक्योरमेंट सहायक सप्लाई-चेन समन्वयक, इन्वेंट्री/ वितरण योजनाकर्ता
5) व्यवसाय विश्लेषिकी/ एमआईएस एमआईएस कार्यकारी, व्यवसाय विश्लेषण सहायक, रिपोर्टिंग/ डैशबोर्ड समन्वयक
विशेषज्ञता से स्वतंत्र "सामान्य" विकल्प (किसी भी बीबीए स्नातक हेतु) इस प्रकार हैं, ग्राहक सेवा कार्यकारी, इनसाइड-सेल्स/ एसडीआर, प्रशासनिक सहायक ई-कॉमर्स संचालन सहायक, प्रोजेक्ट समन्वयक कंटेंट/ कम्युनिकेशन समन्वयक, उद्यमिता/ स्टार्टअप समन्वयक।

आय-सीमा (निजी क्षेत्र)

- **फ्रेशर:** लगभग 3.0–5.5 लाख वार्षिक (स्थान/ क्षेत्र/ कंपनी पर निर्भर)
- अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 8–22 लाख वार्षिक; उच्च-विकास भूमिकाओं/एमएनसी/एमबीए पश्चात 25–30 लाख+ सम्भव

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

सरकारी सेवाएं स्थायित्व, सामाजिक प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक सुरक्षा का समन्वय हैं। बीबीए पृष्ठभूमि के छात्र प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय अनुशासन और संचालन-समझ के कारण अनेक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सशक्त दावेदारी रखते हैं।
निम्नलिखित प्रमुख परीक्षाएं/ विकल्प इस प्रकार हैं,
1) बैंकिंग व बीमा : एसबीआई/ आईबीपीएस पीओ व क्लर्क, आरआरबी ऑफिस असिस्टेंट एलआईसी/अन्य सरकारी बीमा उपक्रम,असिस्टेंट/प्रशासनिक अधिकारी
2) कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) : सीजीएल के अन्तर्गतः सहायक लेखा अधिकारी, आयकर सहायक, निरीक्षक/लेखीरीक्षण सहायक सीएचएसएल/अन्य स्नातक पदः डाक/कार्यालय सहायक, डेटा प्रविष्टि इत्यादि
3) संघ व राज्य लोक सेवा आयोग : सिविल सेवाएं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि), राज्य प्रशासनिक/वाणिज्यिक कर सेवाएं
4) रेलवे/ पीएसयू/ अन्य बोर्डः रेलवे एनटीपीसी/कार्यालय सुपरिंटेंडेंट, सार्वजनिक उपक्रमों में प्रशासनिक/वाणिज्यिक पद एफसीआई, ईएसआईसी, ईपीएफओ जैसे संगठनों में उपयुक्त स्नातक पद
5) रक्षा सेवाए : सीडीएस/ एएफसीएटी के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षण,नेतृत्व व राष्ट्र-सेवा का गौरवपूर्ण मार्ग लेफ्टिनेंट, आर्मी एजुकेशन कोर अफसर, अकाउंट अफसर एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर टेरीटोरियल आर्मी अफसर

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

प्रेशरः लगभग 3.5–7.5 लाख वार्षिक (आम तौर पर पे-लेवल 5–7)
अनुभवी/वरिष्ठः लगभग 9–20 लाख वार्षिक; उच्च सेवाओं/उच्च ग्रेड-पे में इससे अधिक, साथ में भत्ते/सुविधाएं

स्क्रीन टाइम कम करें, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को समृद्ध बनाएं

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का युग डिजिटल क्रांति का है, लेकिन स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन की चमक में खोकर हम अपने मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और जीवन के अनमोल पलों को नजरअंदाज कर रहे हैं। खासकर छात्रों के लिए, जो अपने भविष्य की नींव रख रहे हैं, स्क्रीन टाइम को सीमित करना और समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताना न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि जीवन को भी समृद्ध करता है। यह लेख हिंदी में छात्रों को प्रेरित करता है कि वे स्क्रीन की लत से बाहर निकलें और अपने मानसिक स्वास्थ्य व आत्म-विकास पर ध्यान दें। अत्यधिक स्क्रीन टाइम न केवल हमारी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता

सोशल मीडिया पर तुलना, साइबरबुलिंग, और लगातार ऑनलाइन बने रहने का दबाव छात्रों में तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता है। इसके साथ ही, स्क्रीन की नीली रोशनी नींद को प्रभावित करती है, जिससे एकाग्रता और उत्पादकता कम होती है। लेकिन अगर आप इस समय को नियंत्रित करें, तो आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

स्क्रीन टाइम से होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याए

तनाव और चिंता: परीक्षा का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ, और सोशल मीडिया पर दूसरों से तुलना छात्रों में चिंता को बढ़ाती है। स्क्रीन टाइम इस तनाव को और गहरा करता है।
अवसाद: लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से अकेलापन और आत्मसम्मान में कमी आती है, जो अवसाद का कारण बन सकता है।
एकाग्रता में कमी: लगातार नोटिफिकेशन्स और मल्टीटास्किंग के कारण पढ़ाई में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है।
नींद की कमी: देर रात तक स्क्रीन पर समय बिताने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है।
साइबरबुलिंग: ऑनलाइन ट्रोलिंग और नकारात्मक कमेंट्स आत्मविश्वास को कम करते हैं और भावनात्मक तनाव को बढ़ाते हैं।

स्क्रीन टाइम कम करने के फायदे

स्क्रीन टाइम को सीमित करके आप अपने मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को कई तरह से बेहतर बना सकते हैं।
बेहतर एकाग्रता: स्क्रीन से दूरी बनाकर आप पढ़ाई और अन्य कार्यों में अधिक ध्यान दे पाएंगे।
मानसिक शांति: योग और ध्यान तनाव को कम करते हैं और दिमाग को शांत रखते हैं।
स्वस्थ जीवनशैली: स्क्रीन टाइम की जगह योग, व्यायाम, और प्रकृति के साथ समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।
नए कौशल का विकास: खाली समय में आप कोई नया कौशल जैसे कोडिंग, लेखन, या कोई वाद्य यंत्र सीख सकते हैं।
मजबूत रिश्ते: परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने से भावनात्मक समर्थन मिलता है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

जीवन को बेहतर बनाने के उपाय

समय सीमा तय करें: रोजाना स्क्रीन टाइम को 1-2 घंटे तक सीमित करें। फोन पर टाइमर या ऐपलिमिटर का उपयोग करें।
स्क्रीन-फ्री ज़ोन: पढ़ाई का स्थान और बेडरूम को स्क्रीन-फ्री रखें। सोने से पहले फोन का उपयोग बंद करें।
योग और ध्यान अपनाएं : सुबह 10-15 मिनट सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, या मेडिटेशन करें। यह तनाव कम करता है और एकाग्रता बढ़ाता है।
नए कौशल सीखें: अपने समय को रचनात्मक कार्यों में लगाएं, जैसे कोई भाषा सीखना, पेंटिंग, या डिजिटलस्किल्स। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और भविष्य के लिए उपयोगी है।
परिवार के साथ समय: परिवार के साथ भोजन करें, बातचीत करें, या कोई खेल खेलें। यह अकेलेपन को कम करता है और रिश्तों को मजबूत करता है।
प्रकृति के करीब जाएं: पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय बिताएँ। यह मानसिक तनाव को कम करता है।
परामर्श लें: अगर तनाव या अवसाद लगे, तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें।
छोटे कदम, बड़े बदलाव : स्क्रीन टाइम कम करना शुरू में मुश्किल लग सकता है, लेकिन छोटे कदमों से आप इसे आसानी से हासिल कर सकते हैं। हर दिन एक घंटा कम स्क्रीन टाइम का मतलब है हर हफ्ते 7 घंटे आपके पास योग, पढ़ाई, परिवार, या नए कौशल के लिए। यह समय आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और आपके सपनों को हकीकत में बदलने में मदद करेगा। छात्र जीवन आपके भविष्य का आधार है। स्क्रीन की चमक में खोने के बजाय, अपने समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताएँ। यह न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करेगा, बल्कि आपको एक संतुलित, सुखी, और सफल जीवन की ओर ले जाएगा। आज से ही शुरुआत करें अपने फोन को एक तरफ रखें, गहरी सांस लें, और अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाएं। आपका दिमाग और आपका समय आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं, इनका सही उपयोग करें।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

स्कूटी पर रखी बाल्टी में मिले चार कछुए, जांच में जुटी पुलिस की टीम

नारनौल। गांव कांवी मोड़ के समीप नेशनल हाईवे नंबर 148 बी के नजदीक निजी प्ले स्कूल के सामने खड़ी राजस्थान नंबर की स्कूटी पर रखी बाल्टी में चार कछुए मिले है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कछुओं को अपने कब्जे में लेकर वाइल्ड लाइफ इंस्पेक्टर को सौंप दिया। पुलिस को दी शिकायत में देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनके स्कूल के बाहर एक स्कूटी खड़ी हुई थी। वह स्कूटी राजस्थान नंबर की थी तथा स्कूटी पर एक बाल्टी भी रखी हुई थी। कई देर तक स्कूटी खड़ी रहने पर उसको शक हुआ। जिस पर वह स्कूटी के पास गया तो उसने देखा कि बाल्टी में पानी था तथा उसके अंदर चार कछुए थे। उन्होंने डायल 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उसने वाइल्ड लाइफ इंस्पेक्टर के पास भी फोन किया। जिसके बाद उसने पुलिस कर्मियों को बाल्टी हवाले कर दी। इसके बाद पुलिस बाल्टी व कछुए लेकर चले गए। वहीं स्कूटी पर एक बैग भी मिला है। यह बैग बाल्टी के ऊपर ही रखा हुआ है। पुलिस बैग में मिले कागजातों व स्कूटी नंबर के आधार पर स्कूटी मालिक की तलाश कर रही है।

निपुण कक्षाओं के विद्यार्थियों का लर्निंग आउटकम आधारित सर्वेक्षण किया जाएगा

निपुण हरियाणा मिशन: एंडलाइन सर्वेक्षण के लिए दिया प्रशिक्षण

- राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के 22 छात्र छात्राओं को फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में चयनित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले छात्र-छात्राएं व अन्य। फोटो: हरिभूमि

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत अक्टूबर माह में जिला महेंद्रगढ़ में एंडलाइन सर्वेक्षण का आयोजन किया जाना है। जिसके तहत निपुण कक्षाओं के विद्यार्थियों का लर्निंग आउटकम आधारित सर्वेक्षण किया जाएगा। इस सर्वेक्षण में कक्षा दो, तीन व चार के विद्यार्थियों का कक्षा एक, दो व तीन के लर्निंग आउटकम को आधार मानते हुए सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के जिला संयोजक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि यह सर्वेक्षण राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन तथा प्राथमिक शिक्षा के लिए योजनाओं के निर्माण का आधार बनता है।

उन्होंने बताया कि इस सर्वेक्षण के आधार पर भविष्य के लिए बेहतर प्रबंधन और नियोजन संभव हो पाता है। इसलिए यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देशन किया जाना आवश्यक है। इस सर्वेक्षण के लिए थर्ड पार्टी असेसमेंट के तहत राजकीय शिक्षा महाविध्यालय के 22 छात्र छात्राओं को फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में चयनित किया गया है। इन फील्ड इन्वेस्टीगेटर को दो दिन का एंडलाइन सर्वेक्षण का प्रशिक्षण महाविद्यालय में ही प्रदान किया गया है।

निपुण हरियाणा टीम पंचकूला से मास्टर ट्रेनर के रूप में आई निशा कुमारी ने विद्यार्थियों को एंडलाइन सर्वेक्षण की बारीकियों से अवगत करवाया और इसके राष्ट्रीय महत्व पर जोर देते हुए विषय पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने पर बल दिया। यह सर्वेक्षण अगले 10 से 12 दिनों तक जिला महेंद्रगढ़ के चयनित 55 प्राथमिक स्कूलों में संचालित किया जाएगा। इस सर्वेक्षण में खंड अटेली से नौ, खंड कनीना से आठ, खंड महेन्द्रगढ़ से 11, खंड नारनौल के आठ व खंड नांगल चौधरी से 19 प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है।

क्या कहते हैं जिला शिक्षा अधिकारी

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय महत्व का सर्वेक्षण है, इसलिए विद्यालय मुखिया इसमें सहयोग करें और विद्यालय में इस दौरान विद्यार्थियों की संख्या उपस्थिति शत प्रतिशत रहे तथा सभी शिक्षक भी अनिवार्य रूप से इस दौरान विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत प्राथमिक कक्षाओं के लिए निपुण भारत अभियान प्रारंभ किया गया था। जिसमें समय समय पर बेसलाइन सर्वे, मिडिल लाइन सर्वे व एंडलाइन सर्वे का प्रावधान किया गया। इस सर्वे के माध्यम से विद्यार्थियों की पिछली कक्षा तक अर्जित की गई दक्षताओं को जांचने का कार्य किया जाता है।

यह हुए प्रशिक्षण में शामिल

राजकीय शिक्षा महाविद्यालय से नेहा कुमारी, ज्योति, देशराज, सोनम, भूपेश शर्मा, नेहा यादव, पूजा कुमारी, निकिता, प्रीति, मधु, परमानंद, सुधा, कोमल बाई, काजल कुमारी, सविता कुमारी, बलजीत कुमार, उषा, नैनिका, निकिता सेन, कोमल कुमारी, पूनम कुमारी व शुभम ने प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान अस्सिस्टेंट प्रोफसर नीलम शर्मा, रेखा कुमारी, निपुण हरियाणा शेल से मास्टर ट्रेनर निशा कुमारी, एलएलएफ से ललित कुमार, अस्सिस्टेंट सहेंद्र कुमार, लिपिक सुरेंद्र कुमार व सहयोगी सुरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम को संबोधित करती प्रभारी डा. पविता यादव। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में मनाया करवा चौथ पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति किया जागरूक

राजकीय महाविद्यालय में करवा चौथ पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्टाफ को भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक करना और सामूहिक रूप से इस पर्व की खुशी को साझा करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा ने समस्त स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

उन्होंने इस पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की और विद्यार्थियों तथा स्टाफ को इसके आयोजन और परंपराओं के महत्व को समझाया। महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ तथा सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रभारी डॉ. पविता यादव ने पारंपरिक गीत एवं भजन प्रस्तुत किए। इसके साथ ही विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को करवा चौथ की परंपराओं, रीति-रिवाज और महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सिमरन ने प्रथम स्थान, निधि और खुशबू ने द्वितीय स्थान, कोमल ने तृतीय स्थान और प्रतिभा तथा कुकी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने करवा चौथ के महत्व को समझा।

सीटीएम ने सीएम विंडो के नवनियुक्त सदस्यों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रख्यात नागरिकों की बैठक लेते सीटीएम डॉ. मंगल सेन। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा सरकार के अतिमहत्वपूर्ण शिकायत निवारण मंच व समाधान शिविरों को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नगराधीश एवं नोडल अधिकारी डॉ. मंगल सेन ने लघु सचिवालय में मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से नवनियुक्त किए गए प्रख्यात नागरिकों की एक विशेष बैठक ली। सीटीएम ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि एक भी शिकायत बिना समाधान के लंबित न रहे और हर शिकायत का पूरी गंभीरता तथा तत्परता के साथ निदान किया जाए। उन्होंने बताया कि पिछले महीने मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से लगाए नए प्रख्यात नागरिकों की नियुक्ति शिकायतों के बेहतर समाधान के लिए की गई है। उन्होंने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य शिकायतों के सही तरीके से निपटान में उनकी भूमिका के बारे में स्पष्ट करना था। सीटीएम ने अधिकारियों और प्रख्यात नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी व प्रख्यात नागरिक मिलकर काम करेंगे, तभी हम नागरिकों को जल्द से जल्द न्याय सुनिश्चित करा सकते हैं। सीटीएम ने सभी नवनियुक्त प्रख्यात नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें, ताकि जिले में शिकायत निवारण प्रणाली एक नया आयाम स्थापित कर सके।

महेंद्रगढ़। हाथों पर रचाई मेहंदी दिखाती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशन स्कूल में हुई मेहंदी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विजय इंटरनेशनल स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी मेहंदी की कला का प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्राओं ने मेहंदी के विभिन्न डिजाइनों का प्रदर्शन किया, जिसमें पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के डिजाइन शामिल थे। प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी कला और सृजनात्मकता का प्रदर्शन किया और मेहंदी के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। प्रधानाचार्य नत्थू सिंह ने छात्राओं को उनकी मेहंदी की कला के लिए बधाई दी और कहा कि यह प्रतियोगिता छात्राओं के लिए एक अच्छा अवसर था। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने और आत्म अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती हैं।

नशा न करने की शपथ दिलाई

हुडीना और मेई में ग्रामीणों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करती पुलिस। फोटो: हरिभूमि

पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आमजन को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करना है। आमजन को नशीली दवाओं, नशीले पदार्थों के खतरों से दूर करना है। इसी कड़ी में नया सवेरा अभियान के तहत निरीक्षक शारदा व उनकी टीम गांवों में जाकर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक कर रही है।

अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत करवाना तथा नशे के आदी लोगों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ना है। निरीक्षक शारदा व उनकी टीम ने गांव हुडीना व मेई में ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया और नशा न करने की शपथ दिलाई गई। टीम ने लोगों को बताया कि नशा एक ऐसी बुराई है। जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है।

नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। पुलिस का उद्देश्य नशे के आदी लोगों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घर, परिवार व क्षेत्र के लोगों को नशे व हिंसा से बचाने के लिए युवाओं को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस को दें।

पटाखों की बिक्री व फोड़ने पर पाबंदी, लाइसेंस रद

चरखी दादरी। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों तथा हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए जिल में पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री व फोड़ने पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जिलाधीश डॉ. मुनीश नागपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह निर्णय जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से लिया गया है। आदेश पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 5 के अंतर्गत जारी किया है, जिसका उद्देश्य वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करना तथा आमजन, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन या हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।जिले में इस आदेश के अनुपालन में आतिशबाजी संबंधी सभी लाइसेंसों की वैधता समाप्त कर दी है।

मंडी अटेली। त्रिवेणी लगाते हुए। फोटो: हरिभूमि

दुबलाना की बणी में लगाई त्रिवेणी

मंडी अटेली। गांव दुबलाना की बणी में क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने त्रिवेणी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राजकुमार खत्रीपुर व महिला पुलिस अधिकारी शारदा विशिष्ट रूप से मौजूद रही। पौधारोपण करते हुए पंडित राजकुमार ने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को भी पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताना चाहिए और उन्हें पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। महिला सुरक्षा एवं जागरूकता प्रभारी शारदा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने की शपथ ली। इस मौके पर सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह, साध्वी संतोष, समाचंद सुभाष, एसएम मिश्री लाल, सुरेश कुमार, सरपंच प्रतिनिधि धर्मपाल, रामोतार, रामचंद्र प्रजापत, शिंभूदयाल, अमरपाल, इंद्रजीत, दीपक, बिट्टू शर्मा, सुंदर, बाबू जगमाल, जसवंत, पवन थानेदार, रामोतार, भोजराज, नवीन यादव, संजय रंगा, सूबेदार राजेश मांडोला, सूबेदार सुरेश आकोदा, बबीता, प्रियंका, रामानंद मित्रपुरा व कृष्ण कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

हकेंवि के राजेश जांगड़ा नार्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में लेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुभाग अधिकारी राजेश कुमार जांगड़ा 44वीं नार्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार तथा विश्वविद्यालय की स्पोर्टस काउंसलिंग के सचिव डॉ. संदीप दुल ने उनको प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कोच कैप्टन रामकिशन यादव ने बताया कि इस वर्ष हरियाणा राइफल एसोसिएशन की तरफ से नेशनल राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान आयोजित चौथी प्री स्टेट एवं दसवीं हरियाणा स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते राजेश जांगड़ा ने 10 मीटर एयर पिस्टल-मास्टर्स श्रेणी में क्रमशः हरियाणा में छठा एवं चौथा स्थान प्राप्त किया था। इसके आधार पर अब वे 44वीं नार्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

महेंद्रगढ़। अनुभाग अधिकारी राजेश कुमार के साथ विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में यदुवंशी कॉलेज प्रथम

नारनौल। यदुवंशी कॉलेज की छात्राओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी ओर से आयोजित इंटर कॉलेज बैडमिंटन मैन व वॉमन प्रतियोगिता में यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा ने वॉमन में प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता का आयोजन स्वरांजलि कॉलेज ऑफ एजुकेशन रेवाड़ी में किया गया। जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया था। जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा की छात्रा वशिंका पुत्री कृष्ण कुमार, निशा पुत्री सुरेन्द्र कुमार, रूची पुत्री अजीत कुमार, महक पुत्री बाबूलाल ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया व प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी। कॉलेज प्राचार्य बजरंग लाल ने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत व समर्पण का परिणाम हैं। इस मौके पर संस्था निदेशिका सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. सोनल यादव, कोच विजय सिंह यादव, कोच सुनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते कॉलेज स्टॉफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

बाबा खेतानाथ पॉलिटेक्निक में शिविर आयोजित

नारनौल। बाबा खेतानाथ राजकीय पॉलिटेक्निक में मेधा ग्रुप के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय सुविधा उन्नयन शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। शिविर विशेष रूप से संस्थान के स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य शिक्षकों व कर्मचारियों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करना था। शिविर में प्रतिभागियों को संचार कौशल, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन व प्रभावी कार्य संस्कृति से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर मेधा ग्रुप की ओर से मुख्य वक्ता ऋचा सिन्हा रही, जिनके साथ आयुष व सुभाष ने भी सत्रों का संचालन किया। तीनों प्रशिक्षकों ने स्टाफ सदस्यों को सकारात्मक सोच, आत्मविकास व संस्थागत उन्नति के प्रति प्रेरित किया। संस्थान प्रधानाचार्य अनिल यादव ने मेधा ग्रुप की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर शिक्षकों व कर्मचारियों को नवीन तकनीकों एवं कार्यकुशलता की दिशा में अग्रसर करते हैं।

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने किया राष्ट्रीय डाक दिवस पर विशेष अभिनंदन समारोह आयोजित

डाक कर्मियों की निष्ठा व सेवा को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। डाक कर्मियों को सम्मानित करते ट्रस्ट सदस्य। फोटो: हरिभूमि

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने राष्ट्रीय डाक दिवस पर डाक कर्मियों के समर्पण, निष्ठा व मौन सेवा के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु एक गरिमामय अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया। ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि डाक कर्मी समाज के ऐसे सच्चे सेवक हैं, जो हर परिस्थिति में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए लोगों के बीच संवाद, विश्वास और संवेदना का पुल बनाते हैं।

ट्रस्ट की ओर से उनके सम्मान में अभिनंदन कार्यक्रम किया गया। उन्होंने बताया कि उनका योगदान केवल पत्र या पार्सल पहुंचाने तक सीमित नहीं, बल्कि वे देश की व्यवस्था व जनजीवन के बीच जुड़ाव की डोर हैं। कार्यक्रम के संयोजक ओशिन शुक्ला व ट्रस्टी नरोत्तम सोनी ने डाक कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि डाक विभाग के कर्मियों ने वर्षों से निष्ठा और समर्पण के साथ जो सेवा दी है, वह समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। नरोत्तम सोनी व ट्रस्टी अजय शर्मा ने कहा कि तकनीकी युग में भी डाक कर्मी अपने मानवीय व्यवहार व लगन से लोगों के जीवन में विश्वास की डोर को मजबूत बनाए हुए हैं। मंच संचालन डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम में डाक विभाग के सामाजिक संबंध निरीक्षक हिम्मत सिंह, डाक कर्मी नाथूराम व सतीश कुमार की सेवाओं व भूमिका को अमूल्य बताते हुए उनके प्रयासों को नमन किया।

राम मंदिर डाक टिकट की भेंट

इस अवसर पर डाक विभाग के सामाजिक संबंध निरीक्षक हिम्मत सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में जहां एक ओर आज की युवा पीढ़ी केवल सोशल मीडिया के संदेशों में ही गुम है। वहां डाक विभाग के कर्मियों को सम्मानित करना न केवल उन डाक कर्मियों के प्रति समाज के प्रेमभाव को प्रदर्शित करता है, अपितु उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है। जिन्होंने कभी डाक सेवा का आनंद ही नहीं लिया। डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि डाक विभाग सरकारी तंत्र के लिए कोई कमाई का साधन नहीं, अपितु सेवा का विभाग है। हिम्मत सिंह ने डाक विभाग की कार्यप्रणाली व विभाग की ओर से चलाई गई अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया। ट्रस्ट को डाक विभाग की ओर से राम मंदिर डाक टिकट उपहार स्वरूप भेंट की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर श्री चौरासिया ब्राह्मण सभा के जिला अध्यक्ष पवन शुक्ला, डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान भीमसेन पाण्डे, डॉ. पुनीत शास्त्री, सतीश शर्मा, अजय शर्मा, जोगेंद्र जैदिया आदि मौजूद थे।

सूचना

मैं, कैलाशचन्द पुत्र श्री ताराचन्द निवासी खातोदडा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा सही नाम कैलाशचन्द (Kailash Chand) है जो सही है। मेरा आन्ध्रा बैंक के रिकार्ड में गलती से मेरा नाम कैलाशचन्द (Kailesh Chand) लिखा गया है। ये दोनों नाम कैलाशचन्द (Kailash Chand) उर्फ कैलाशचन्द (Kailesh Chand) दोनों नाम मेरे है जो सही है।

कार्यप्रगति के चलते रेलवे मार्ग परिवर्तित

नारनौल से गुजरेगी 10 ट्रेन, 8 का होगा ठहराव, यात्रियों को होगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जयपुर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के अन्तर्गत स्टेशन यार्ड में एयर कोनकोर्स फेज दो का कार्य प्रगति पर है। फेज दो के अन्तर्गत विभिन्न तकनीकी कार्यों हेतु नौ नवंबर से 12 दिसंबर तक ब्लॉक लिया जाएगा। जिसके कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा, लेकिन इससे क्षेत्र के रेल यात्रियों को काफी फायदा होगा, क्योंकि इस दौरान रेवाड़ी-अलवर-जयपुर मार्ग से जाने वाली करीब 10 ट्रेनें रेवाड़ी-नारनौल-रींगस मार्ग से गुजरेगी। इनमें से आठ ट्रेनों का नारनौल स्टेशन पर भी ठहराव होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के चलते उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित विभिन्न रेलसेवाएं प्रभावित रहेगी। इस दौरान अनेक ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया। जिनका ठहराव नारनौल स्टेशन पर भी होगा। जिसमें गाड़ी संख्या 12215 दिल्ली सराय-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा 10 नवंबर, 11, 13, 17, 18, 22, 24, 27 नवंबर, एक दिसंबर, दो, छह, आठ, नौ व 13 दिसंबर को (14 ट्रिप) दिल्ली सराय से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 15013 जैसलमेर-काठगोदाम रेलसेवा नौ नवंबर से 12 नवंबर, 14, 22 से 24, 26 से 28, 30 नवंबर से दो दिसंबर, छह दिसंबर से नौ दिसंबर तक (18 ट्रिप) जैसलमेर से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी। मार्ग परिवर्तन के कारण रींगस, नीमकाथाना, नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

खास बातें
- माता वैष्णोदेवी व गुजरात जाना होगा आसान
- यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के चलते रेल यातायात रहेगा प्रभावित

रेलसेवाएं आंशिक रद्द, मार्ग परिवर्तित, रीशेड्यूल व रेगुलेट रहेगी

वैष्णोदेवी के लिए मिलेगी ट्रेन

गाड़ी संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर रेलसेवा 13 नवंबर, 20, 21, 27 नवंबर, पांच व 12 दिसंबर को (छह ट्रिप) पोरबंदर से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में रींगस, नीमकाथाना, नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 19416 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा-साबरमती रेलसेवा 25 नवंबर व दो दिसंबर को (दो ट्रिप) श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी- रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में नारनौल, नीमकाथाना, रींगस स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इन ट्रेनों का भी होगा नारनौल में ठहराव

गाड़ी संख्या 15014 काठगोदाम-जैसलमेर रेलसेवा आठ नवंबर से 11 नवंबर, 13, 21 से 23, 25 से 27, 29 नवंबर से एक दिसंबर, पांच से आठ दिसंबर तक (18 ट्रिप) काठगोदाम से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में नारनौल, नीमकाथाना, रींगस स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 15716 अजमेर-किशनगंज रेलसेवा 10 नवंबर, 11, 13, 17, 18, 24, 27 नवंबर, एक दिसंबर, दो, आठ व नौ दिसंबर को (11 ट्रिप) अजमेर से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में रींगस, नीमकाथाना, नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

गुजरात जाना होगा आसान

गाड़ी संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रेलसेवा आठ नवंबर, 11, 22, 25, 29 नवंबर, छह व नौ दिसंबर को (सात ट्रिप) पोरबंदर से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में रींगस, नीमकाथाना, नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 20938 दिल्ली सराय-पोरबंदर रेलसेवा 24 नवंबर, 27 नवंबर, एक दिसंबर, चार व आठ दिसंबर को (पांच ट्रिप) दिल्ली सराय से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-जयपुर-फुलेरा होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 20940 सुल्तानपुर-साबरमती रेलसेवा 26 नवबर व तीन दिसंबर को (दो ट्रिप) सुल्तानपुर से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती रेलसेवा 29 नवंबर व छह दिसंबर को (दो ट्रिप) वाराणसी से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में नारनौल, रींगस, फुलेरा स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

खबर संक्षेप

बाजरे की खरीद न होने से किसान चिंतितः प्रमोद नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। सरकार के रिकार्ड में बाजरे की खरीद शुरू है, लेकिन धरातल पर मंडियों में एक दाना भी खरीदा नहीं गया है। जिससे ग्रामीण सौदागरों की मौज हो गई उन्होंने औने पौने भावों में फसल खरीदना आरंभ कर दिया है। आर्थिक नुकसान होने की स्थिति में किसानों को देनदारी चुकाने की चिंता बढ़ गई। समाधान के लिए सरकार को निर्धारित मापदंडों में छूट देकर शीघ्र खरीद करनी चाहिए। उक्त विचार जजपा के हलका प्रधान प्रमोद ताखर व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हजारीलाल लंबोरा ने सिरोही बहाली गांव में व्यक्त किए।
नांगल चौधरी हलके के अधिकतर गांव नहरों से अटेच नहीं। भूजलस्त्रोत सूखने के कारण कृषि बोरवेल ठप हो गए और किसानों की फसल सिंचाई भगवान भरोसे बनी हुई है। इसलिए किसान खरीफ सीजन की बाजरा, ग्वार की बुवाई करने लगे हैं। क्योंकि दो तीन महीने लगातार बारिश होने से फसलों को सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ती। अबकी बार लावणी के दौरान बारिश हो गई थी। दाने का कलर पीला पड़ गया। इसी प्राकृतिक आपदा की आड़ लेकर एजेंसी से खरीद करने से इंकार कर दिया।

गुरु रविदास महासभा की बैठक कल

नारनौल। गुरु रविदास महासभा की आम बैठक 12 अक्टूबर सुबह 11 बजे गुरु रविदास आश्रम में होगी। जिसकी अध्यक्षता बाबूलाल नारनौलिया करेंगे व जिसका संचालन सभा के महासचिव अमर सिंह करेंगे।

जलभराव की फिसलन से विद्यार्थी परेशान

प्राथमिक पाठशाला ग्राउंड में कांग्रेस घास से एलर्जी रोग फैलने की चिंता

घास-फूंस में जहरीले जीव जंतु पनपने की आशंका से अभिभावकों में भय का माहौल स्कूल प्रशासन से सफाई की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ निजामपुर

निजामपुर। स्कूल गेट के सामने कच्चे रास्ते के दोनों तरफ खड़ी कांग्रेस घास। फोटो : हरिभूमि

राजकीय प्राथमिक पाठशाला नांगल दुर्गू के ग्राउंड में कांग्रेस घास खड़ी हुई है। जिसके बीचों बीच बने रास्ते से विद्यार्थियों को स्कूल में जाना होता है। इस दौरान घास के संपर्क में आने पर एलर्जी व चर्म रोग फैलने की आशंका बढ़ गई। समस्या से स्कूल प्रशासन को अवगत करवा दिया। इसके बावजूद स्थिति यथावत बनी रहने पर अभिभावकों ने कड़ा रोष जताया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मौका निरीक्षण करके तत्परता पूर्वक सफाई कराने की गुहार लगाई है।

ग्रामीण राजेंद्र प्रसाद, बिरेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, महेश कुमार ने बताया कि गांव में 10 हजार से अधिक आबादी है। ग्रामीण बच्चों की सुविधा के लिए विभाग की ओर से प्राथमिक पाठशाला स्थापित की गई थी। स्कूल में स्वीकृत पोस्टों के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर दी, साथ ही खेल प्रतिभा निखारने के लिए ग्राउंड निर्माण कराया गया है, लेकिन बीते कई सालों से ग्राउंड की सफाई नहीं हुई। अब बारिश होते ही कांग्रेस घास खड़ी हो गई है।

इस दौरान घास के संपर्क में आने वाले कई बच्चों को एलर्जी व खुजली की समस्या होने लगी है। घास में कई विषैले पौधे भी खड़े हैं, जिनकी बदबू से बच्चों को उल्टी आना, जी मिचलाना तथा सिर चक्कराने की समस्या बनी रहती है। बारिश होते ही कच्चे रास्ते में जलभराव हो गया। जिसकी फिसलन से बच्चों के गिरने की समस्या बढ़ गई। गंभीर हादसे की संभावना से चिंतित अभिभावकों ने कांग्रेस घास की सफाई और रास्ते के पक्के निर्माण की गुहार लगाई थी, लेकिन अभी तक स्थिति यथावत बनी रहने से नौनिहालों को जानलेवा खतरा बना हुआ है।

घास की सफाई का बजट नहीं

स्कूल के हैड मास्टर अशोक कुमार ने बताया कि कांग्रेस घास खड़ी होने से बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी खतरा है। समाधान के लिए स्कूली फंड में बजट उपलब्ध नहीं हुआ। इसलिए पंचायत से सहयोग मांगा गया था, लेकिन सरपंच ने कोई सकारात्मक जबाब नहीं दिया। अब निजी खर्चे से घास पर दवाई की स्प्रे कराई जाएगी। जिसके प्रभाव से घास जल जाएगी और ग्राउंड की सफाई संभव हो पाएगी। उन्होंने बताया कि ग्राउंड लंबा चौड़ा है। जिस कारण नियमित रूप से सफाई करना संभव नहीं हो पाता है।

जहरीले जीव-जंतु पैदा होने का खतरा

ग्रामीणों ने बताया कि कांग्रेस घास में कई किस्म की बेल तथा बिल भी हैं, जिनमें सांप, बिच्छू व अन्य जहरीले जीव जंतु पैदा होने की संभावना बढ़ गई। बारिश के पानी से बचने के लिए जहरीले जंतु स्कूल के कमरे या रसोई में छुप सकते हैं, जिनके काटने से बच्चों व अन्य कर्मचारियों को जानलेवा खतरा संभव है। ग्राउंड की सफाई होने पर स्कूल की सुंदरता बढ़ेगी और बच्चों को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान लेकर राव नरेंद्र सिंह ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर हस्ताक्षर अभियान पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान केवल राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर को शुरू हुआ यह अभियान 15 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें हर साथी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और अभियान के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व आम लोग हस्ताक्षर कर भाजपा सरकार का विरोध जता रहे हैं।

नारनौल। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते राव नरेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

राहुल गांधी ने लोकतंत्र की हत्या का पर्दाफाश किया

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने भाजपा की वोट चोरी को उजागर कर लोकतंत्र की हत्या का पर्दाफाश किया है। अब जनता ही भाजपा को गद्दी से उतारकर जवाब देगी व उनके द्वारा दिया गया यह केवल नारा नहीं, बल्कि जनता का गूंजता हुआ जनादेश है। भाजपा ने मतदाता सूचियों में धांधली कर सत्ता हथियाई है, लेकिन कांग्रेस इसे जन आंदोलन बनाकर गांव गांव तक ले जाएगी। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हस्ताक्षर अभियान के अलावा पार्टी ब्लॉक व बूथ लेवल पर भी नियुक्तियों को लेकर मंथन कर रही। जिसमें पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

आईटीआई में लगाई त्रिवेणी

नारनौल। आईटीआई में पौधारोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में श्रीत्रिवेणी बाबा ने पहुंचकर बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया व नैतिक मूल्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के कारण काफी बीमारियां फैल रही हैं। हमें अपने आसपास साफ सफाई रखनी चाहिए व ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इस दौरान उन्होंने बच्चों को शपथ दिलाई कि अपने जन्मदिन पर पौधे अवश्य लगाए। इस अवसर पर संस्थान में कार्यरत विद्युतकार अनुदेशक मनोज यादव के जन्मदिन पर संस्थान में त्रिवेणी बाबा ने त्रिवेणी का रोपण किया व उनकी दीर्घायु की कामना की।

संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने त्रिवेणी के महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर संस्थान के एनसीसी प्रभारी मेजर वीरेंद्र सेकवाल भी उपस्थित रहे।

कनीना नगर वासियों को मिलेगी बंदरों से निजात

कनीना। नगर पालिका क्षेत्र में उत्पात मचाने वाले बंदरों से जल्द ही निजात मिलेगी। नगर पालिका प्रशासन की ओर से टेंडर कॉल किए गए हैं। नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि बंदरों के आतंक से आमजन परेशान था। बच्चे व महिलाएं बंदरों का निशाना बन चुके थे। जिनकी ओर से बंदरों को पकड़ने के लिए नपा कार्यालय में लगातार शिकायतें दी जा रही थी। नपा क्षेत्र में करीब 400 बंदरों को पकड़ने के लिए टेंडर कॉल किए गए हैं, जो आगामी 16 अक्टूबर को छोड़े जाएंगे। बंदर पकड़े जाने के बाद नगरवासियों को उनके आतंक से मुक्ति मिलेगी।

आईपीएस सुसाइड मामले की करवाई जाए जांचः वेदप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

इंडियन नेशनल लोकदल एससी सैल के प्रदेश उपाध्यक्ष वेदप्रकाश नंबरदार ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई पूर्ण कुमार द्वारा जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या की गई है तथा यह बेहद दुखद घटना है। एक आईपीएस द्वारा आत्महत्या करना, कोई छोटी घटना नहीं है। इसलिए इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हाईकोर्ट के सीटिंग जज से करवाई जाए।

वेदप्रकाश नंबरदार ने बताया कि भाजपा सरकार में दलित समुदाय के लोगों के साथ उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हरियाणा के आईपीएस वाई पूरन कुमार ने आत्महत्या करने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने दलित होने के नाते अपने साथ हुए जातिगत भेदभाव का जिक्र किया है। यह पूरी तरह से सरकार का फेलियर है और पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अगर प्रदेश की सुरक्षा करने वाले पुलिस अधिकारियों का उत्पीड़न हो रहा है तो ऐसे में सरकार का पूरी तरह से दिवालिया पिट चुका है। भाजपा की सरकार में अगर सुप्रीम कोर्ट के दलित चीफ जस्टिस और आईपीएस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिक का क्या होगा, यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है। उन्होंने बताया कि आईपीएस वाई पूरन कुमार जैसे उच्च अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने के पीछे क्या कारण रहे, कौन लोग इसके जिम्मेवार हैं, उसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। निष्पक्ष जांच द्वारा ही आईपीएस वाई पूरन कुमार के परिवार को न्याय मिल सकेगा।

अटेली उप नागरिक अस्पताल में फर्स्ट रेफरल यूनिट का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ.अशोक कुमार का स्वागत करते हुए।

उप नागरिक अस्पताल में शुक्रवार को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) का विधिवत रूप से उद्घाटन किया गया। इस यूनिट का शुभारंभ आईडीबीआई बैंक के वरिष्ठ रीजनल हेड विकास पांडे व जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, अस्पताल स्टाफ व क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि इस यूनिट के उपकरण और आवश्यक संसाधन जुटाने के लिए आईडीबीआई बैंक की ओर से 10 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। बैंक के वरिष्ठ रीजनल हेड विकास पांडे ने बताया कि आईडीबीआई बैंक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना है, ताकि लोगों को उपचार के लिए शहरों की ओर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि बैंक देशभर में ऐसे कई सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम चला रहा है।इस एफआरयू यूनिट का उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की ओर से किया जाना था, लेकिन व्यस्त कार्यक्रम के कारण वह उपस्थित नहीं हो सकीं।

लोगों में काफी उत्साह

इस यूनिट में पहले ही एक सफल ऑपरेशन किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला है। इस नई सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को विशेषकर गर्भवती महिलाओं को अब प्रसव के लिए निजी अस्पतालों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगी। इस मौके पर वरिष्ठ बैंक अधिकारी अंकुर मिश्रा, अजीत यादव ब्रांच मैनेजर नारनौल, नरेश यादव, प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय यादव व डॉ. मनीष यादव उपस्थित रहे।

सतनाली स्टेशन पर बीकानेर इंटरसिटी के ठहराव की मांग

सतनाली मंडी। ट्रेनों के ठहराव की मांग का ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

रेलवे स्टेशन पर 22471/72 दिल्ली–बीकानेर इंटरसिटी एवं अन्य गाड़ियों के ठहराव की मांग को लेकर शुक्रवार को रेल सेवा समिति की ओर से स्टेशन मास्टर को मंडल रेल प्रबंधक बीकानेर के नाम ज्ञापन सौंपा। समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत व पूर्व जिला उपप्रमुख एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ सिंह शेखावत ने बताया कि एनएसजी-पांच श्रेणी में शामिल सतनाली रेलवे स्टेशन हरियाणा व राजस्थान के लगभग 80 गांवों के यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करते हैं। गाड़ी संख्या 22471/72 दिल्ली–बीकानेर इंटरसिटी एक्सप्रेस का सतनाली स्टेशन पर ठहराव नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। क्षेत्र की जनता लंबे समय इस गाड़ी का ठहराव करने की मांग करती आ रही है तथा बीकानेर मंडल की ओर से भी इसे व्यावसायिक दृष्टि से भी उपयुक्त माना जा चुका है। इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 19701/02 जयपुर–दिल्ली सैनिक एक्सप्रेस तथा 14713/14 सीकर–दिल्ली एक्सप्रेस के ठहराव करने की मांग की।

कॉलेज में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

सतनाली मंडी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतनाली में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रीति सिंह ने बताया कि मेहंदी प्रतियोगिता में अनेक छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में शोभा कुमारी प्रथम, पारूल व हिमांशी दूसरे तथा प्रिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डा. जरनैल सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से कला कौशल विकास होता है। मौके पर डॉ. रेखा शेखावत, पिंकी यादव, श्वेता, डॉ. कमला यादव आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

राज्यस्तरीय आयोजन की रूपरेखा तय करने को लेकर सैनी समाज में उत्साह

22 जिलों के सैनी समाज प्रतिनिधियों की बैठक 12 को

मुख्यमंत्री सैनी होंगे जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बिशन कुमार सैनी प्रधान सैनी सभा

सैनी सभा प्रांगण स्थित सैनी धर्मशाला रेवाड़ी रोड में 12 अक्टूबर को एक महत्वपूर्ण प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें हरियाणा प्रदेश के सभी 22 जिलों की सैनी सभाओं के प्रधानों, अध्यक्षों, पदाधिकारियों व प्रमुख समाजसेवी सैनी बंधुओं के भाग लेने की संभावना है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी राज्य स्तरीय महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह, जो कि 16 नवंबर को नारनौल में आयोजित किया जाएगा, जिसकी तैयारियों की समीक्षा करना व कार्यक्रम को और अधिक भव्य, अनुशासित एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार करना है।

इस बैठक की अध्यक्षता नारनौल सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी करेंगे। इस दौरान कार्यक्रम की व्यवस्थाओं से संबंधित अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। विभिन्न जिलों से आने वाले प्रतिनिधियों को उनकी भूमिका व दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी, ताकि आगामी जयंती कार्यक्रम में समाज की एकजुटता व संगठन शक्ति का भव्य प्रदर्शन हो सके। प्रधान बिशन कुमार सैनी ने बताया कि महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह सैनी समाज के गौरव और एकता का प्रतीक होगा। इस अवसर पर पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में सैनी समाज के लोग नारनौल पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि यह बैठक कार्यक्रम की सफलता के लिए निर्णायक सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि सैनी समाज के सभी जिलों की सभाओं के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पहले से ही लोगों को आमंत्रित करें तथा नारनौल में होने वाले इस ऐतिहासिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर भी होगी चर्चा

गौरतलब है कि आगामी 16 नवंबर को होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। बैठक में प्रदेशभर से आने वाले सैनी समाज के प्रतिनिधि न केवल तैयारियों की रूपरेखा तय करेंगे, बल्कि कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, मंच संचालन, स्वागत व्यवस्था, आवास व्यवस्था व प्रचार-प्रसार से जुड़ी योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम को लेकर सैनी समाज में उत्साह का माहौल है। नारनौल की सैनी सभा ने तैयारियों को लेकर सभी समितियों को सक्रिय कर दिया है, ताकि यह आयोजन समाज के इतिहास में एक यादगार पर्व के रूप में दर्ज हो सके।

आईपीएस की आत्महत्या के लिए जातिगत सिस्टम जिम्मेदार

नारनौल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव व पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश माण्डैया ने वरिष्ठ आईपीएस द्वारा की गई आत्महत्या की दुखद घटना के लिए जातिगत सिस्टम को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने बताया कि इस दुखद घटना ने मानवता को झकझोर कर रख दिया है। यह न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्न चिह्न खड़ा करती है। एक होनहार आईपीएस अधिकारी को यदि सिस्टम की विफलताओं के कारण ऐसा कठोर कदम उठाना पड़े तो यह बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि दिवंगत अधिकारी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और प्रकृति उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। उन्होंने आलोचना करते हुए बताया कि भाजपा सरकार आने के बाद दलितों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं।